

कृषि (AGRICULTURE) शस्यन

भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत की कुल जनसंख्या का 65% आबादी कृषि पर निर्भर है। किन्तु भारत के राष्ट्रीय आय में कृषि का योगदान मात्र 15% है। हमारे यहाँ कृषि में पैदावार कम होता है जिसका मुख्य कारण खेत का छोटा होना है। हमारे यहाँ कृषि व्यापारिक न होकर जीवन निर्वाहन कृषि की जाती है।

कृषि कई प्रकार की होती है-

(1) जीवन निर्वाहन कृषि - भारत की खेती, द्विसंशयन

(2) मिश्रित कृषि - कम जगह में ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए मिश्रित कृषि की जाती है। इसमें कृषि और पशुपालन दोनों साथ-साथ किया जाता है।

(3) द्वि फसली कृषि - इस प्रकार की कृषि में दो-दो फसल एक साथ उगाये जाते हैं। एक की जड़ कम गहरी दुसरी की जड़ ज्यादा गहरी एक कम पानी सोखता है दुसरी ज्यादा पानी सोखता है।

(4) DROP फार्मिंग - इसका प्रयोग फूलों की खेती के लिए किया जाता है। इसमें फुहारों वाला सिंचाई का प्रयोग किया जाता है।

(5) Truck Farming - यह खेती भारत में न के बराबर ही होती है।

हमारे यहाँ अलग-अलग मौसम में अलग-अलग फसल उगाये जाते हैं। हमारे यहाँ की कृषि पूरी तरह मानसुन पर निर्भर होती है।

भारत में फसलों का वर्गीकरण-

भारत में मुख्यतः तीन फसलें उगाई जाती हैं-

(1) जायद फसल - यह फसल मार्च में बोया जाता है। इसमें मुख्य रूप से सब्जी, तरबुज, खिरा, ककड़ी आते हैं। यह बहुत जल्दी समय में लग जाता है। मई में इस फसल को काट लिया जाता है। ये बहुत तेजी से बढ़ते हैं।

(2) खरीफ फसल - इसे जुलाई के महीने में बोया जाता है। इस फसल को पानी की ज्यादा जरूरत नहीं होती। इसमें मुख्य रूप से चावल, ज्वार, बाजरा, मक्का आते हैं। इसे मानसुनी फसल भी कहते हैं। इसकी कटाई अक्टूबर-नवम्बर में की जाती है।

(3) रबी फसल - ये फसल ठण्ड के दिन में नवम्बर में बोये जाते हैं। इसमें पानी की आवश्यकता बहुत ही कम होती है। इसकी कटाई मार्च में की जाती है। Ex: गेहूँ, जौ, सरसों, चना, मटर, अलसी, तिसी

प्रमुख खाद्यान फसल - गेहूँ, चावल, जौ, मोटे अनाज, दाल

नगदी फसल

वैसा फसल जो पैसा कमाने के लिए बोया जाए उसे नगदी फसल कहते हैं।

(1) गन्ना - गन्ना का जन्म स्थान भारत है। गन्ना उत्पादन में भारत ब्राजील के बाद दुसरा स्थान पर है जबकि खपत की दृष्टि से भारत प्रथम स्थान पर है। हमारे यहाँ विश्व का लगभग 40% गन्ना उत्पादन होता है। गन्ना की फसल तैयार होने में 1 साल लग जाता है। उत्तर प्रदेश गन्ना उत्पादन में अग्रगण्य राज्य है। उत्तर प्रदेश अकेले ही देश के लगभग 45% गन्ना उत्पादन

कर देता है। उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है। भारत में सर्वाधिक चीनी मिल उत्तर प्रदेश में है जबकि चीनी उत्पादन में पहला स्थान महाराष्ट्र का है।

(2) चाय - पूरे विश्व में चाय का सर्वाधिक उत्पादन चीन एवं सर्वाधिक उपभोक्ता वाला देश भारत है। भारत में सर्वाधिक चाय का उत्पादन असम में होता है। जबकि दूसरा स्थान पश्चिम बंगाल का है। चाय की प्राप्ति पत्ती से होती है। चाय में थोड़ा पाया जाता है, जो थकान को दूर करता है। चाय का सबसे ज्यादा निर्यात श्रीलंका करता है।

(3) कहवा - यह भारत में सबसे ज्यादा कर्नाटक में पाया जाता है। कॉफी की प्राप्ति बीज से होती है। इसमें कैफिन पाया जाता है जो निंद को भगा देता है।

(4) कपास - इसकी प्राप्ति बीज से होती है। इसे कच्चे माल के रूप में सुती वस्त्र उद्योग में प्रयोग किया जाता है। पूरे भारत में कपास का सर्वाधिक उत्पादन गुजरात करता है जबकि दूसरा स्थान महाराष्ट्र का है। कपास के उत्पादन में 200 दिन धूप का लगना आवश्यक है। कपास को White Fiver भी कहते हैं।

(5) जूट (पटसन) - ये पौधे के तना से प्राप्त होता है। इसके तने को पानी में भीगोकर इसके छाल को निकाल कर बोड़ा या सुतरी बनाया जाता है। इसे Golden Fiver कहते हैं। पश्चिम बंगाल इसके उत्पादन में अग्रगण्य राज्य है।

प्रमुख फसल उसके उत्पादक राज्य

(1) चावल - यह भारत का सबसे प्रमुख खाद्यान फसल है। भारत में सर्वाधिक चावल उगाया जाता है इसकी कृषि पूरी मानसून पर निर्भर करती है, क्योंकि चावल के खेत में हमेशा पानी का होना आवश्यक है। भारत में सर्वाधिक चावल उत्पादन पश्चिम बंगाल में होता है। छत्तीसगढ़ को चावल का कटोरा कहा जाता है। कृष्णा नदी घाटी को दक्षिण भारत का चावल का कटोरा कहा जाता है। चावल के कृषि के लिए 125 cm – 200 cm वर्षा जरूरी माना जाता है।

Note : वैज्ञानिकों ने जीन परिवर्तन करके विटामिन-A की कमी को दूर करने वाले चावल का विकास किया है, इस चावल का नाम गोल्डन राइस रखा गया है। गोल्डन राइस में पर्याप्त मात्रा में बीटाकैरोटीन पाया जाता है।

(2) गेहूँ - यह भारत का दूसरा खाद्यान फसल है। गेहूँ उत्पादन में पहला स्थान उत्तर प्रदेश का है जबकि प्रति हेक्टेयर में सबसे अधिक उत्पादन पंजाब करता है। गेहूँ के लिए अधिकतम 50cm – 75 cm वर्षा उपयुक्त माना जाता है। विश्व में गेहूँ उत्पादन में चीन के बाद भारत दूसरा स्थान पर आता है।

(3) जौ - जौ भी देश की एक महत्वपूर्ण खाद्यान फसल है जौ का सबसे प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश है इसकी गणना मोटे अनाजों की श्रेणी में की जाती है। जौ के लिए कम उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता होती है।

(4) बाजरा - यह भी मोटे अनाजों की श्रेणी में आता है। इसका सर्वाधिक उत्पादन राजस्थान में होता है। बाजरा के उत्पादन में भारत विश्व में पहला है।

(5) मक्का - मक्का की उत्पत्ति पाईकॉर्न से हुई है यह एक उभयलिंगी पौधा है। हमारे देश के अपेक्षाकृत शुष्क भागों में मक्के का उपयोग प्रमुख खाद्यान के रूप में किया जाता है। मक्का का सर्वाधिक उत्पादन कर्नाटक में होता है। इसके बाद मध्य प्रदेश और बिहार का स्थान आता है। मक्के के उत्पादन में भारत का विश्व में 7वाँ स्थान है।

(6) तिलहन - तिलहनों के उत्पादन में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य है। क्रमशः राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश एवं तमिलनाडु भारत में प्रथम स्थान रखते हैं।

(7) दाल - दालों के उत्पादन तथा उपयोग दोनों दृष्टि से भारत विश्व में प्रथम स्थान रखता है।

(8) **रबड़** - रबड़ का जन्म स्थान ब्राजील है। रबड़ के प्रमुख उत्पादक राज्य केरल, तमिलनाडु तथा कर्नाटक हैं। अण्डमान निकोबार में भी रबड़ का उत्पादन होता है।

(9) **तम्बाकू** - भारत में तम्बाकू उत्पादन के प्रथम तीन शीर्ष राज्य हैं- (i) आंध्र प्रदेश, (ii) गुजरात और (iii) कर्नाटक। भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा तंबाकू निर्यातक तथा चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है। भारत में विश्व की कुल 8% तम्बाकू उत्पादन होता है।

प्रमुख खाद्यान फसलों का जन्मस्थान

क्रम	फसल	जन्म स्थान
1.	धान	इण्डोचाइना
2.	मक्का	मध्य अमेरिका
3.	ज्वार	भारत
4.	बाजरा	अफ्रीका
5.	गेहूँ	मध्य प्रदेश
6.	जौ	चीन

प्रमुख फसलें एवं शीर्ष उत्पादक राज्य

फसलें	शीर्ष उत्पादक राज्य
केसर	कश्मीर
काली मिर्च	केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु
छोटी इलायची	केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु
अदरक	मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम
जीरा	राजस्थान, केरल
लौंग	तमिलनाडु, केरल
मिर्च	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, प. बंगाल
हल्दी	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक

प्रमुख फल एवं शीर्ष उत्पादक राज्य

फल	शीर्ष उत्पादक राज्य
आम	उत्तर प्रदेश
केला	गुजरात
अंगूर	महाराष्ट्र
अमरूद	मध्य प्रदेश

लीची	बिहार
कटहल	असम
काजू	महाराष्ट्र
आंवला	उत्तर प्रदेश
पपीता	गुजरात
अनन्नास	पश्चिम बंगाल
नारियल	तमिलनाडु
सेपोटा	गुजरात
अखरोट	जम्मू और कश्मीर
संतरा	महाराष्ट्र
नींबू वर्ग	आंध्र प्रदेश
सेब	जम्मू और कश्मीर

हरित क्रांति - यह तीसरी पंचवर्षीय योजना के अंतिम समय में 1966 में प्रारंभ हुई, विश्व में इसकी जनक अमेरिकी वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग को मानते हैं। भारत में हरित क्रांति के जनक एस. स्वामी नाथन है। हरित क्रांति शब्द विलियम कार्ड ने दिया था। हरित क्रांति में उन्नत बीज High yield variety के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया। हरित क्रांति में मोटे अनाज के उत्पादन पर जोड़ दिया गया। इसमें गेहूँ का उत्पादन बढ़ गया धान का उत्पादन को कोई प्रभाव नहीं पड़ा जबकि दलहन एवं तिहलन का उत्पादन घट गया। हरित क्रांति का केन्द्र UP का सामली में था। हरित क्रांति में सर्वाधिक लाभ पंजाब को हुआ।

द्वितीय हरित क्रांति - इसमें आनुवांशिक रूप से वृद्धि किये गए फसल को बोते हैं। ऐसे फसलों को जेनेटेकिली मोडीफाई (G.M.) फसल कहते हैं।

○○○